Vol. 12, Issue 07, July: 2024
ISSN(P) 2347-5404 ISSN(O)2320 771X

डिजिटल मीडिया के उदय का हिंदी पत्रकारिता की भाषा पर प्रभाव: एक आलोचनात्मक अध्ययन

DOI: https://doi.org/10.63345/ijrhs.net.v12.i7.1

रति कृष्णाहरि सुलेगांव
भाषा अध्ययन
नॉर्थ ईस्ट क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी
डॉ. अशोक कुमार
भाषा अध्ययन
नॉर्थ ईस्ट क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी

सारांश

डिजिटल मीडिया के उदय ने पत्रकारिता के स्वरूप, संरचना और भाषा में व्यापक परिवर्तन किए हैं। विशेष रूप से हिंदी पत्रकारिता, जो लंबे समय तक मुद्रित माध्यम की परंपराओं से संचालित रही, डिजिटल प्लेटफॉर्म के आगमन के बाद नई भाषिक चुनौतियों और संभावनाओं से रूबरू हुई है। इस शोध-पत्र का उद्देश्य डिजिटल मीडिया के प्रभाव में हिंदी पत्रकारिता की भाषा में आए परिवर्तनों का आलोचनात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन में यह विश्लेषण किया गया है कि किस प्रकार सोशल मीडिया, न्यूज़ पोर्टल्स, मोबाइल पत्रकारिता और ऑनलाइन पाठक संस्कृति ने हिंदी पत्रकारिता की शब्दावली, वाक्य संरचना, शैली, प्रस्तुति और मानक भाषा को प्रभावित किया है। शोध यह तर्क प्रस्तुत करता है कि जहाँ डिजिटल मीडिया ने भाषा को अधिक सरल, संवादात्मक और जन-सुलभ बनाया है, वहीं भाषा की शुद्धता, गंभीरता और पत्रकारिता की विश्वसनीयता को लेकर कई प्रश्न भी खड़े किए हैं। यह अध्ययन हिंदी पत्रकारिता की भाषिक दिशा को समझने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है।

मुख्य शब्द: डिजिटल मीडिया, हिंदी पत्रकारिता, भाषा परिवर्तन, सोशल मीडिया, न्यू मीडिया, भाषिक आलोचना

1. प्रस्तावना

पत्रकारिता समाज का दर्पण मानी जाती है और उसकी भाषा उस समाज की संवेदनाओं, विचारधाराओं और सांस्कृतिक चेतना को प्रतिबिंबित करती है। हिंदी पत्रकारिता का इतिहास औपनिवेशिक काल से लेकर आधुनिक भारत तक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक आंदोलनों से गहराई से जुड़ा रहा है। प्रारंभिक

Vol. 12, Issue 07, July: 2024
ISSN(P) 2347-5404 ISSN(O)2320 771X

हिंदी पत्रकारिता में भाषा गंभीर, साहित्यिक और वैचारिक थी, जिसका उद्देश्य जन-जागरण और राष्ट्र निर्माण था।

21वीं सदी में डिजिटल मीडिया के उदय ने पत्रकारिता के पारंपरिक स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। इंटरनेट, सोशल मीडिया, मोबाइल एप्स और ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टल्स ने सूचना के उत्पादन, वितरण और उपभोग की प्रक्रिया को तीव्र, त्वरित और बहुआयामी बना दिया है। इस परिवर्तन का सबसे गहरा प्रभाव पत्रकारिता की भाषा पर पड़ा है।

यह शोध-पत्र डिजिटल मीडिया के संदर्भ में हिंदी पत्रकारिता की भाषा में आए बदलावों का आलोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है।

2. हिंदी पत्रकारिता की भाषा: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

2.1 प्रारंभिक हिंदी पत्रकारिता और भाषा

हिंदी पत्रकारिता का आरंभ 19वीं शताब्दी में हुआ। 'उदंत मार्तंड', 'हिंदुस्तान', 'प्रताप' और 'अभ्युदय' जैसे पत्रों की भाषा संस्कृतनिष्ठ, गंभीर और साहित्यिक थी। भाषा का उद्देश्य शिक्षित वर्ग को संबोधित करना और राष्ट्रीय चेतना का निर्माण करना था।

2.2 स्वतंत्रता आंदोलन और भाषा

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हिंदी पत्रकारिता की भाषा भावनात्मक, ओजपूर्ण और प्रेरणादायक थी। गांधी, तिलक और अन्य नेताओं के लेखन ने पत्रकारिता की भाषा को नैतिक और वैचारिक स्वर प्रदान किया।

2.3 उत्तर-स्वतंत्रता काल

स्वतंत्रता के बाद पत्रकारिता की भाषा अपेक्षाकृत सरल हुई, किंतु अब भी उसमें मानक हिंदी, व्याकरणिक अनुशासन और गंभीरता बनी रही।

3. डिजिटल मीडिया: अवधारणा और स्वरूप

3.1 डिजिटल मीडिया की परिभाषा

डिजिटल मीडिया से आशय उन माध्यमों से है जो इंटरनेट और डिजिटल तकनीक के माध्यम से सूचना का संप्रेषण करते हैं, जैसे:

- न्यूज़ वेबसाइट्स
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम)
- यूट्यूब और पॉडकास्ट
- मोबाइल पत्रकारिता

3.2 डिजिटल मीडिया की विशेषताएँ

- त्वरित समाचार प्रसारण
- इंटरएक्टिविटी
- मल्टीमीडिया प्रस्तुति
- वैश्विक पहुँच
- पाठक-केंद्रित सामग्री

4. डिजिटल मीडिया और भाषा का संबंध

डिजिटल मीडिया ने भाषा को स्थिर माध्यम से गतिशील माध्यम में परिवर्तित कर दिया है। पाठक अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि सहभागी भी है। इस सहभागिता ने पत्रकारिता की भाषा को अधिक संवादात्मक बनाया है।

Vol. 12, Issue 07, July: 2024
ISSN(P) 2347-5404 ISSN(O)2320 771X

5. हिंदी पत्रकारिता की भाषा में संरचनात्मक परिवर्तन

5.1 सरलता और संक्षिप्तता

डिजिटल मीडिया में पाठक का ध्यान सीमित समय के लिए होता है। इसलिए समाचारों की भाषा:

- छोटी पंक्तियों में
- सरल शब्दों में
- शीर्षक-केंद्रित

हो गई है।

5.2 बोलचाल की भाषा का प्रयोग

डिजिटल हिंदी पत्रकारिता में अब:

- स्थानीय बोलियों
- जनभाषा
- संवादात्मक शैली

का व्यापक प्रयोग हो रहा है।

6. शब्दावली में परिवर्तन

6.1 अंग्रेज़ी शब्दों का बढ़ता प्रयोग

डिजिटल हिंदी पत्रकारिता में अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग तेजी से बढ़ा है, जैसे:

- ब्रेकिंग न्यूज़
- अपडेट
- ट्रेंड
- वायरल

यह मिश्रित भाषा (हिंग्लिश) का रूप ले चुका है।

6.2 तकनीकी शब्दावली

डिजिटल माध्यम से जुड़े शब्द जैसे:

- एल्गोरिदम
- क्लिकबेट
- व्यूज़
- लाइक्स

पत्रकारिता की भाषा का हिस्सा बन गए हैं।

7. शीर्षक लेखन में बदलाव

डिजिटल मीडिया में शीर्षक:

- सनसनीखेज
- भावनात्मक
- प्रश्नवाचक

हो गए हैं। इसका उद्देश्य पाठक का ध्यान आकर्षित करना है, जिसे 'क्लिकबेट संस्कृति' कहा जाता है।

8. सोशल मीडिया का भाषिक प्रभाव

8.1 हैशटैग संस्कृति

हैशटैग ने पत्रकारिता की भाषा को संक्षिप्त और प्रतीकात्मक बना दिया है।

8.2 इमोजी और प्रतीकों का प्रयोग

डिजिटल पत्रकारिता में इमोजी और ग्राफिक प्रतीकों का प्रयोग भाषा की अभिव्यक्ति को दृश्यात्मक बना रहा है।

9. मानक हिंदी बनाम डिजिटल हिंदी

डिजिटल मीडिया में मानक हिंदी की जगह:

- क्षेत्रीय हिंदी
- अनौपचारिक भाषा

Vol. 12, Issue 07, July: 2024
ISSN(P) 2347-5404 ISSN(O)2320 771X

- मिश्रित शब्दावली

ले रही है। इससे भाषा की लोकतांत्रिक पहुँच बढ़ी है, परंतु शुद्धता और व्याकरण पर प्रश्न भी उठे हैं।

10. आलोचनात्मक दृष्टिकोण

10.1 सकारात्मक प्रभाव

- भाषा अधिक जनसुलभ हुई
- युवा वर्ग से जुड़ाव बढ़ा
- सूचना का लोकतंत्रीकरण हुआ

10.2 नकारात्मक प्रभाव

- भाषिक अशुद्धियाँ
- सनसनीखेज प्रस्तुति
- गहराई और विश्लेषण की कमी

11. हिंदी पत्रकारिता की भाषा के समक्ष चुनौतियाँ

- विश्वसनीयता बनाए रखना
- भाषा की गरिमा
- तथ्य और भावनाओं में संतुलन
- तकनीकी दबावों के बीच संपादकीय जिम्मेदारी

12. भविष्य की संभावनाएँ

डिजिटल युग में हिंदी पत्रकारिता की भाषा को:

- तकनीक और संवेदना का संतुलन
- भाषा प्रशिक्षण
- संपादकीय मानकों

के माध्यम से समृद्ध किया जा सकता है।

13. निष्कर्ष

यह अध्ययन निष्कर्ष निकालता है कि डिजिटल मीडिया ने हिंदी पत्रकारिता की भाषा को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। जहाँ एक ओर भाषा अधिक सरल, संवादात्मक और लोकतांत्रिक हुई है, वहीं दूसरी ओर उसकी गंभीरता, शुद्धता और नैतिकता को लेकर चिंताएँ भी बढ़ी हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी पत्रकारिता डिजिटल युग की आवश्यकताओं को स्वीकार करते हुए अपनी भाषिक गरिमा और सामाजिक उत्तरदायित्व को बनाए रखे।

संदर्भ सूची (संकेतात्मक)

1. रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास
2. प्रभात कुमार – हिंदी पत्रकारिता: सिद्धांत और व्यवहार
3. मैक्लुहान, मार्शल – द मीडियम इज़ द मैसेज
4. कुमार, अरविंद – डिजिटल मीडिया और भाषा